

श्रीमती मोवनी झांगी, क्वार्ट्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन माईन्स, पर्यावरण संबंधी जनसुनवाई दिनांक

17.12.2025 प्रातः 11.30 AM बजे, कार्यालय ग्राम पंचायत जावद, तहसील-सराड़ा, जिला-सलूमबर

यह जनसुनवाई भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना (EIA Notification) दिनांक 14.09.2006 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 01.12.2009 के प्रावधानों के अनुरूप राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल, उदयपुर के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। उक्त जनसुनवाई के लिए नियमानुसार 30 दिवस पूर्व आम सूचना राष्ट्रीय समाचार पत्र द सण्डे एक्सप्रेस में दिनांक 16.11.2025 एवं स्थानीय समाचार पत्र प्रातःकाल में दिनांक 16.11.2025 को प्रकाशित करवा दी गई है।

यह जनसुनवाई "श्रीमती मोवनी झांगी" द्वारा प्रस्तावित क्वार्ट्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन खनन परियोजना (एम एल नं. 03/2023 (लीज क्षेत्र 2.8712 हैक्टेयर), प्रस्तावित क्वार्ट्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन उत्पादन क्षमता 3,70,797 TPA, निकट ग्राम-वेलवाड़ी, तहसील-सराड़ा, जिला-सलूमबर स्थित प्रस्तावित परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत आयोजित की गई है। प्रस्तावित परियोजना की लागत लगभग रु. 1.80 करोड़ है।

अतः उद्योग के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा परियोजना के बारे में जो जानकारी दी जावेगी उसे ध्यानपूर्वक सुन तत्पश्चात् आपको यदि इसके बाबत कोई सुझाव/शिकायत हो तो कृपया सबसे पहले अपना परिचय दें जिसमें आप अपना नाम तथा गांव का नाम बताएं साथ ही अपना सुझाव/शिकायत जो भी हो लिखित अथवा मौखिक जैसा आप उचित समझें हमें दे सकते हैं।

इस जनसुनवाई के दौरान आप द्वारा जो भी सुझाव/शिकायत की जावेगी चाहे वह लिखित हो या मौखिक हो उसे हम कलमबद्ध करेंगे तथा जनसुनवाई की कार्यवाही की विडियोग्राफी भी ली जा रही है। इसकी सी. डी./डी.वी.डी. के अनुरूप कार्यवृत्त तैयार किए जायेंगे जिसको राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA), जयपुर को प्रेषित करेंगे क्योंकि इस इकाई को सन्दर्भ की शर्त (TOR) दिनांक 19.08.2024 को इस कमेटी द्वारा जारी की है एवं उसमें वर्णित समस्त शर्तों की उद्योग द्वारा पालना की जा रही है या की जायेगी जिसकी संपूर्णता सुक्षमता से जांच कर पर्यावरण स्वीकृति पत्र जारी करने की कार्यवाही करेंगे।


वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

राजस्थान कनिष्ठ अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
(जयपुर)

लोक जन सुनवाई में उपस्थित क्षेत्र के पधारे हुए उद्योग मालिक, ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि सदस्यों की सूची (परिशिष्ट "अ" में संलग्न) है।

उपरोक्त के पश्चात इकाई के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा उक्त इकाई के संबंध में तैयार की गई ई.आइ.ई रिपोर्ट संबंधित बनायी गयी कार्यकारी सारांश/ई.आई.ए. की विस्तृत जानकारी दी गई जो की संलग्नक "ब" के अनुसार है।

अतः कार्यकारी सारांश/ई.आई.ए. की विस्तृत जानकारी के पश्चात श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रा.प्र.नि.म. उदयपुर द्वारा उपस्थित आमजन को अपने आक्षेप, सुझाव, शिकायते रखने हेतु आमंत्रित किया गया जो कि निम्नानुसार है:-

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

अब मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि अब आपकी कोई शिकायत सुझाव हो तो सबसे पहले अपना नाम गांव का नाम परिचय देते हुए आप अपनी बात रख सकते हैं। आपकी कोई भी शंका हो मन में आप अभी पूछ सकते हैं। अपना नाम और गांव का नाम बता दें।

श्री कृष्णदेव सिंह, ग्रामवासी:-

मैं आपसे एक ही निवेदन करूंगा जो भी परियोजना में इसमें आपने जो भी लोकेशन बताई है। तो मैं आपसे एक ही निवेदन करूंगा जो पुरानी माईन्स चल रही है उनमें सभी बातों का विस्तृत मुझे नहीं लगा है ना कोई पत्रकार आया ना कोई पौधे लगाए गए हैं ना कोई पानी का छिड़काव हो रहा है। हम इस नई माईन्स के खिलाफ नहीं हैं। हम नहीं चाहते हैं कि कोई नई माईन्स नहीं खुले और विशेष सभी ग्रामीण यही चाह रहे हैं की नई माईन्स कोई नहीं लगाई जाए जिससे जावद गांव को नुकसान हो। जलस्तर वैसे नीचे जा रहा है पहले से परेशान है ग्रामीण और किसान खेती वाले हैं तो उनको ऐसी वायु से कोई मुनाफा नहीं हो रहा है। यही मेरा निवेदन है और यही मेरी शिकायत है।

श्री केशर सिंह, ग्रामवासी :-

यह जो साईन करवा रहे हैं वो किसके करवा रहे हैं क्या है सर। कुछ समझ में नहीं आ रहा है और साईन करवा रहे हैं।

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

यह आज की डेट में जो जनसुनवाई हुई उसमें कौन-कौन उपस्थित है। मतलब उसकी शीट है और अभी जो हम जो कर रहे हैं। आप हम कोई ईसी देना या नहीं देना ना सर का काम है ना मेरा। यहां


वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

जो मिनिट्स बनेंगे यह SEIAA को जाएंगे सरकार को वहां निर्णय लिया जाएगा। आप अपनी जो बात कहनी है। आप माईक लेके मौखिक या लिखित जो भी बात करना चाह रहे हैं कर सकते हैं।

श्री केशर सिंह, ग्रामवासी :-

मेरा निवेदन यह है कि जो सर जो समझा रहे हैं वो हमारे समझ में ही नहीं आया। यह जो साईन करवा रहे हैं। यह क्या फॉर्मूला है। इसके लिए पुछना चाह रहा था और यह साईन कहां जाएंगे क्या है कोई समझ में नहीं आ रहा।

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

यह जो जनसुनवाई होगी उसके मिनिट्स बनेंगे कार्यवृत्त की जो जो आपने बात कही जो परजेन्टेशन दिया उसको शामिल करते हुए अब आपने जो अपनी शिकायत रखी जैसे कृष्णदेव सिंह जी ने बोला है कि हम माईन्स नहीं चाहते हैं। तो हम ऐसा का ऐसा लिखके इसको सरकार को फॉरवर्ड करेंगे। ए.डी.एम. साहब के साईन से होगा।

श्री केशर सिंह, ग्रामवासी :-

मैं भी उसी में सहमत हूँ सर हमारे को भी माईन्स की जरूरत नहीं है। हमारा जलस्तर नीचे है पहले से और अरावली श्रृंखला में वैसे ही पेड़-पौधे कम होते जा रहे हैं और पहले से ही हम दुखी हो रहे हैं और अधिकतर खेती किसान हम लोग है भेड़ बकरी चराने हम इधर ही जाते हैं। उसके अलावा कोई सहारा नहीं है।

पर्यावरणीय सलाहकार :-

जैसा कि अरावली के लिए सर ने बोला इसके लिए विभाग से सर्टिफिकेट ले रखा है अरावली के लिए। जी सर अभी मैं आपको बता देता हूँ। यह सर इसमें दो न्यूज पेपर के अन्दर प्रकाशित करी गई है। इसमें से जो एक न्यूज पेपर होता है वो राज्य स्तरीय स्तर का होता है। वो सम्पूर्ण राज्य राजस्थान के अन्दर है और दूसरा जो होता है वो लोकल न्यूज पेपर होता है जिसकी दोनो प्रतियां मैं आपको दिखा देता हूँ।

श्री केशर सिंह, ग्रामवासी :-

सर मात्र जो 10-15 अखबार यहां आते हैं। जो दुकानदार पड़ते हैं या सरकारी कार्यालयों में हम सब अनपढ़ लोग हैं या काश्तकार लोग हैं उनके पास कोई अखबार ऐसी कोई सूचना नहीं होती है।


वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

मुनादी कब करवाई थी आपने। मुनादी करवाई थी।

पर्यावरणीय सलाहकार :-

जी सर मुनादी करी गई थी। पंचायत ऑफिस में भी इसके लिए लेटर दिया जाता है।

श्री रमेश कुमार, ग्रामवासी :-

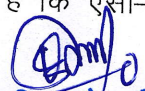
जो खनन के आवेदन के बारे में बताया पहले से हमारे यहा ऑलरेडी 2-3 खदाने चल रही है। उसमें ना कोई स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है और स्थानीय जो सड़क थी। पंचायत के द्वारा या अन्य विभाग द्वारा बनाई गई। उनके वाहनो ने उसको भी तोड़ दी। उसको कोई 3 साल से आप देख लो सर आपको विजिट करवा दूँ। उधर मंणीला में जाके देख लो आप पूरी रोड़ पूरी लोगों ने तोड़ दी। इनके वाहन पहले ही कन्टेनर जाते 15-20 कन्टेनर रोज जाते है। हेवी रोड़ है बिल्कुल नॉर्मल रोड़ थी उसको बिल्कुल तोड़ दी है। सर आप जाके भले ही विजिट कर सकते है उधर। हमारे सरपंच साहब उपसरपंच साहब इनको पता है ये इनके इलाके में है। 2-3 साल से माईन्स चल रही है स्थानीय लोगों की बात कभी बोला किसी स्थानीय लोगों को यहां रोजगार नहीं मिला है जो भी है कुछ लोग बाहर के आ रहे है वो अपना कार्य कर रहे है। यहां होता है कोई दिक्कत नहीं हमें स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। ऐसी कोई गारण्टी वाला कोई पत्र है इनके पास खनन विभाग के पास या फिर जो भी इनके आयोजनकर्ता है। ग्रामीणों से चर्चा करेंगे कि ग्राम में खर्चा करेंगे। कि पहले से हम पहले से स्थानीय लोग है कि अभी इन्होने बताया कि पानी कि बहुत कमी है। खनन करने से आप सबको पता ही है। पानी का स्तर नीचे जाएगा। गांव में क्या है सर आप बताओं गांव में एक ही होता है किसान खेती करता है। उसके बाद पानी भविष्य में उसके पास पानी नहीं रहेगा तो उसका क्या हाल होगा। तो इसलिए हम सब इस चीज पर चर्चा करके ग्रामीणों से चर्चा करके फिर आप इसको आगे बढ़ाए तो बेहतर रहेगा। धन्यवाद।

श्री देवीलाल सेवक, ग्रामवासी :-

पहले से जो माईन्से लगी हुई है। उसको तुरन्त हटा दे सही तरीके से नहीं हो रहा है। हमारे ग्रामीणों को आने-जाने की तकलीफे होती है। रोड़ बहुत टुट चुका है उसका रखरखाव नहीं हुआ और अभी जो आप माईन्स के लिए बता रहे है। उसका हम नहीं चाहते है उसको। इसीलिए ग्रामीणों की सहमति से सब जने बात करके अगर जो भी होगा प्रस्ताव आपको दिया जाएगा।

श्री देवीलाल, वार्डपंच, जावद :-

पहले से हमारी माईन्स लगी हुई है। वहां वेलवाड़ी में पुरा रोड़ अभी तक हम परेशान है रोड़ से भी और वहां गाय-भैंस भी दुखी है कई बार लोगों ने बोला है कि ऐसा-ऐसा होता है हमने ये कर दिया वो


वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

कर दिया, मिट्टी उड़ती है और परेशान है माईन्स से परेशान बड़े-बड़े गढ़े खोद दिए। रात को फिर वहां जाने के बाद कोई शेर चिता उसमें बैठते हैं और आके ऊपर पड़ जाते हैं। रात को हमारे को जाने में दिक्कत आती है। 5 किलोमीटर है यहां से और ऐसे ही रास्ते में कहीं ऐसे जाते हैं तो फिर ये गढ़े हो जाते हैं और दूसरा लड़ाई-झगड़ा होता है। कि भाई ये इसने करवाया इन्होंने करवाया सरपंच साहब जो है यह उपसरपंच साहब है इन्होंने ने भी बोला कि भाई ये-ये होता है। तो इन्होंने बोला कि माईन्स वाले कहां लगाते हैं। सब मिट्टी उड़ती है धूल उड़ता है तो यह इसलिए हमारे को माईन्स की जरूरत नहीं है।

श्री कल्याण सिंह, ग्रामवासी :-

मैं यह कहना चाहता हूँ गरीबों को परेशानी हो ऐसा काम नहीं करें। इसे लगाने से पब्लिक को पानी की परेशानी होगी गरीब परेशान हो जाएंगे।

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

और कोई कुछ कहना चाहता है अपनी बात तो अभी कह सकते हैं।

श्री कृष्णदेव सिंह, ग्रामवासी :-

हमारे मना करने के बाद भी यह माईन्स शुरू हुई तो उसका विरोध होगा तगड़ा यह भी आप सुन लें हम आपके माध्यम से आगे पहुँचा रहे हैं। इससे कोई हानि हुई तो जिम्मेदारी सरकारी रहेगी।

श्री मेडसिंह सिसोदिया जी, उपसरपंच साहब, जावद :-

हमारे यहां बैठे हुए जिसमें से आधी संख्या बाहर की है। यहां से गांव के बहुत कम हैं। यह वास्तविक में गिन के बताउ अभी खड़े करके बताउ तों पहली बात तो यहां आपके कैम्प लगा है। कोई आपने सूचना नहीं लगाई। सूचना पत्र जारी नहीं किया। यह बात कह रहे थे मैं सुन रहा था इसकी सूचना हमारे पास नहीं पहुँची हमारे सरपंच और हमारे ऊपर बहुत आरोप लगाए अभी बाद में जनता लोग कह रहे हैं कि सरपंच साहब और उपसरपंच साहब और यहां की पंचायत यह पैसे के दबाव में आ करके हमारे को नुकसान पहुँचा रहे हैं। इसी कारण से मैं आपके सामने यह पेश कर रहा हूँ। यह कमेटी में दूसरी बात रखी जाए। यहां की जनता बहुत अतुल संक्रणीय है। यहां जनता शांति पूर्ण नहीं है। इसके लिए क्यों एक गाड़ी दे रखी है दूसरी गाड़ी की कोई जरूरत नहीं है। हम पंचायत में कितना रोड़ लाए। हम 3-4 बार रोड़ लाए। 2022 में बनाया, 2023 में बनाया रोड़ बनाते हैं और टूट जाते हैं। इसका हमारी सरकार कितना पैसा देती है और यह लोग पैसा देते हैं। अगर वो कहते हैं हम मतलब हम वो कर दे हमारे को क्या पता वो कहाँ कटाते हैं। कहाँ नहीं कटाते हैं। यह हमारे को कोई लेना देना नहीं है हमारी पंचायत में क्या फायदा होता है, कोई फायदा नहीं होता है। यह बात वाजिब है हमारे को पब्लिक के साथ रहना पड़ता है और पब्लिक जनहित है। हम पब्लिक के बीच नहीं जाते हैं तो हमारे को लोग सामने दो ही रास्ते रहते हैं


शिकषिष्ठ कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
(जावद) प्रदूषण (राज.)
6443

छोड़ना पड़ता है। तो हमारे को भी छोड़ना पड़ता है। तो हम आपके आंगन में आके आपका डॉक्यूमेन्ट लेके आपके पास आते हैं तो हमारी बात को बहुत बढ़िया प्यार से मानना है। हम मंत्री महोदय के पास जाते हैं व आपके पास रिवर्ट करते हैं। आपके पास आता है इसलिए बड़ी दुख की बात है। मेरा नाम मेड़सिंह सिसोदिया है मैं जिला मंत्री हूँ। मैं सदस्य भी हूँ मैं आपको क्या वेल्यू बताऊँ, मेरे को बड़ी दुख की बात है। एक दिन यह लेके आया था मैंने पुछा था कि यह क्या प्रमाण लेके आए हो तो मेरे को बोलता आप कौन होते हो तो मैंने पुछने में कोई गुनाह किया है। मेरे को सीधे से जवाब नहीं दिया परसों की बात है तो मैं उठ के चला गया। तो मेरा बात कहने का यह महत्व है तो वाजिब है। यहाँ की जनता नहीं चाह रही है। हमारे यहाँ युवा मोर्चा नवयुवक आदमी है मैं इनके साथ जुड़ा हुआ हूँ। इसको मैं छोड़ दूंगा। मैं दोबारा जावद में जीत नहीं सकता हूँ। मैं 6 बार जीता हुआ हूँ तो मैं इसको मिल मिलाके जनता को जीतता हूँ। कभी रुक के कहते हैं मेड़सिंह जी आ रहे हैं। कभी हारता नहीं हूँ सर जीतता हूँ या तो मैं जीतता हूँ। घर जाकर सो जाता हूँ नहीं जीतता हूँ तो। इसके लिए मैं सहमत नहीं हूँ और मैं मेरे विधायक महोदय को भी फोन कर दिया है। मैं मेरे सासंद को भी फोन कर दिया है। मेरी कड़ी यह मैंने जोड़ दी है। सासंद महोदय आप नाम नहीं जानते हैं मन्नालाल जी आप विधायक महोदय को जानते हो कि हमारे शांता देवी है। हमारे सभापति फूलसिंह मीणा हमारे मंत्री जी छगन जी गोवर्धन जी टांक है। हम सबको आपको क्या बताऊँ मैं इतने पावरफूल होते हुए आपके सामने शर्मा रहा हूँ। मेरी बात को मान लेना। सरपंच साहब भी मेरे से शर्मा रहे हैं कि मेड़सिंह जी कहेंगे वो मान लूंगा। हमारे चेले हैं इसके लिए यही बात करके मैं मेरा धन्यवाद। जय भारत जय हिन्द।

श्री रमेश कुमार मीणा, सरपंच, जवाद :-

सर मेरा यह निवेदन है कि जो रोड़ जहां पर कन्टेनर इनके जो खान का एरिया है। कितना गहराई तक है और हर बार पंचायत में परमिशन मिलेगी या आगे जो परमिशन होगी पेड़ पौधों की भी बताया 2-3 साल से मैं भी देख रहा हूँ बहुत ही हालात खराब है गाय-भैंस आती है तो दुर्घटना भी होती है तो उसकी मात्रा कितनी है कितना टन लेके जा सकते हैं। वो थोड़ा आप खनन विभाग से अवगत करावें कि कितना टन माल रोज एक कन्टेनर में जाएगा तो उससे रोड़ नहीं टूटे। वो क्या डबल ले जाते हैं। जहाँ 20 टन होता है वहाँ 30-40 टन माल जा रहा है। तो रोड़ की स्थिति बिगड़ रही है। वायु प्रदूषण हो रहा है। वहाँ धूल उड़ती है गाड़ी आने वाले को किसान है तो उदयपुर से बाईक पर जाते बाईक पर आते हैं। साथ में कन्टेनर आता हैं जिसे निकलने में आसानी नहीं रहती है। कई बार दुर्घटना भी हो रही है। कई बार गददे में भी गिर गये। गाड़ियाँ भी गिर रही है और मानना है जो ग्रामवासी की रिपोर्ट है उसके आधार पर उचित कार्यवाही करें। धन्यवाद।


परिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :-

जैसा कि आप सभी ने जो अपनी-अपनी शिकायतें करी है वो नोट कर ली है। उसको मिनिट्स के साथ हम बनाके भिजवा देंगे। आप लिखित में बात करके वो मिनिट्स का जो भाग होगा आप चाहे तो आरटीआई में ले सकते हैं जो उसकी रिकॉर्डिंग हो।

डॉ. दिनेश राय सापेला, अतिरिक्त जिला कलक्टर, सलूमबर :-

ऐसा है कि हम आज ये जनसुनवाई इसीलिए कर रहे हैं कि आप लोगों का पक्ष जान सके और आप सभी ने अपना पक्ष बता दिया है। आपने जो-जो बातें कही है। जो-जो शब्द कहे हैं वो सब इन्होंने नोट कर दिये हैं वो सब रिकॉर्ड भी हुए हैं। यहां जो विडियो रिकॉर्डिंग हुई है उसकी सी.डी. बनेगी पेनड्राइव बनेगा और जो बातें आपने कही है। वह वैसे ही शब्दों में लिखी जाएगी और हम उसको आगे आपकी बात जो आप सभी ने बोली है आपके नाम आपके पते के साथ हम जैसा का वैसा उन्ही शब्दों में आपने जो बोला है। वह हम आगे स्टेट को राज्य सरकार को निर्णय के लिए भेजेंगे आपकी सारी बातें। उपसरपंच साहब ने डिटेल में बताई सरपंच साहब ने कहा आप लोगों ने भी कहा रोड़ की समस्या एनवायरमेन्ट की धूल मिट्टी की और पुरानी माईन्स में जो काम नहीं हुआ उनकी बात पौध रोपण की बात वो सभी उसी रूप में लिख करके हम निर्णय के लिए आगे सरकार को भेजें। ठीक है तो यह सारी बातें नोट कर ली है। सभी ने अपने उपस्थिति पर साइन कर लिए हैं। आप पुछ रहे थे कोई की साइन किस बात के यह आपकी उपस्थिति के साइन है। कि यह आप उपस्थित हैं उसकी फोटोग्राफ ली है तो बात हो गयी है सभी की बात सुन ली है। आप सभी यहां पधारे उसके लिए धन्यवाद। यह जनसुनवाई यहां समाप्त की जाती है।

श्री कुंज बिहारी पालीवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर ने उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि आपके द्वारा दिये गये सुझावों एवं आक्षेपों को जनसुनवाई के कार्यवृत्त में शामिल किया जावेगा तथा कार्यवाही विवरण की वीडियो, रिकॉर्डिंग सी.डी (परिशिष्ट "स" में संलग्न) एवं फोटोग्राफ (परिशिष्ट "द" में संलग्न) के साथ उन्हें राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, जयपुर के समक्ष प्रेषित किया जावेगा। इसके बाद वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी महोदय ने अतिरिक्त जिला कलक्टर, सलूमबर को इस जनसुनवाई को समाप्त करने हेतु निवेदन किया तत्पश्चात जनसुनवाई समाप्ति की घोषणा की गई।

(कुंज बिहारी पालीवाल)
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी,
रा.प्र.नि.म., उदयपुर

वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

(डॉ. दिनेश राय सापेला)
अतिरिक्त जिला कलक्टर,
सलूमबर

श्रीमती मोवनी डांगी, क्वार्टर्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन माईन्स, पर्यावरण सम्बन्धी जनसुनवाई

दिनांक 17.12.2025 प्रातः 11.30 AM बजे, कार्यालय ग्राम पंचायत जावद, तहसील-सराड़ा,

जिला-सलूम्वर

भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना (EIA Notification) दिनांक 14.09.2006 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 01.12.2009 (संलग्न परिशिष्ट-“अ”) के प्रावधानों के अनुरूप राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल, उदयपुर के तत्वाधान में एवं जिला कलक्टर सलूम्वर के आदेश 1159 दिनांक 04.11.2025 (संलग्न परिशिष्ट-“ब”) के द्वारा आयोजित की जा रही है। श्रीमती मोवनी डांगी द्वारा प्रस्तावित क्वार्टर्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन खनन परियोजना (एम एल नं. 03/2023 (लीज क्षेत्र 2.8712 हैक्टेयर), प्रस्तावित क्वार्टर्ज, फ़ैल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन उत्पादन क्षमता 3,70,797 TPA, निकट ग्राम-वेलवाड़ी, तहसील-सराड़ा, जिला-सलूम्वर स्थित प्रस्तावित परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत आयोजित की गई है। प्रस्तावित परियोजना की लागत लगभग रु. 1.80 करोड़ है।

जनसुवाई के दौरान आप द्वारा जो भी सुझाव/शिकायत की जावेगी चाहे वह लिखित हो या मौखिक हो उसे हम कलमबद्ध करेंगे तथा जनसुनवाई की कार्यवाही की विडियोग्राफी (संलग्न परिशिष्ट-“स”) भी ली जा रही है। इसकी सी.डी./डी.वी.डी. (संलग्न परिशिष्ट-“द”) के अनुरूप कार्यवृत्त तैयार किए जायेंगे जिसको राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA), जयपुर को प्रेषित करेंगे क्योंकि इस इकाई को सन्दर्भ की शर्त (TOR) दिनांक 19.08.2024 को इस कमेटी द्वारा जारी की है एवं उसमें वर्णित समस्त शर्तों की उद्योग द्वारा पालना की जा रही है या की जायेगी जिसकी संपूर्णता सुक्ष्मता से जांच कर पर्यावरण स्वीकृति पत्र जारी करने की कार्यवाही करेंगे।

उक्त जनसुनवाई के लिए नियमानुसार 30 दिवस पूर्व आम सूचना राष्ट्रीय समाचार पत्र द सण्डे एक्सप्रेस में दिनांक 16.11.2025 एवं स्थानीय समाचार पत्र प्रातःकाल में दिनांक 16.11.2025 को प्रकाशित करवा दी गई है (संलग्न परिशिष्ट-“य”)। जनसुनवाई की मुनादी दिनांक 15.12.2025 को ऑटो के तीनों तरफ बैनर लगाकर ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ आस पास की ग्राम पंचायत जावद से लेकर सम्पूर्ण ग्राम एवं आस पास के सभी क्षेत्रों में कराई गई। (संलग्न फोटो एवं ऑडियो) यह जनसुनवाई दिनांक 17.12.2025 वार बुधवार को प्रातः 11.30 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत जावद में रखी गई एवं नियमानुसार ग्राम पंचायत जावद पंचायत समिति सराड़ा में ग्रामीणों के बैठने के लिये कुर्सियां, माईक एवं प्रोजेक्टर की व्यवस्था की गई एवं पंचायत समिति के बाहर एवं अन्दर बैनर लगाए गए जिससे की जनसुनवाई के दौरान किसी भी आमजन को अव्यवस्था महसूस न हो एवं प्रत्येक व्यक्ति अपनी बात जनसुनवाई में रख सके। तत्पश्चात पर्यावरण सलाहकार द्वारा उक्त इकाई के संबंध में तैयार की गई ई0आई0ई0 रिपोर्ट संबंधित बनायी गयी कार्यकारी सारांश/ई0आ0ए0 की विस्तृत जानकारी दी गई।

लोक जन सुनवाई में उपलब्ध ग्रामीणों ने अपनी बात रखी, (संलग्न परिशिष्ट-“र”) उसका विवरण निम्नानुसार है।


वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)


अतिरिक्त जिला कलक्टर
सलूम्वर (राज.)

प्रकरण में पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों के संक्षिप्त विवरण सुझाव/आक्षेप लिये जो कि निम्नानुसार है:-

1. खनन इकाईयों से जलस्तर वैसे नीचे जा रहा है हम पहले से परेशान हैं ग्रामीण और किसान खेती वाले हैं तो उनको ऐसी वायु से कोई मुनाफा नहीं हो रहा है।
2. हमारे को माईन्स की जरूरत नहीं है। हमारा जलस्तर नीचे है पहले से और अरावली श्रृंखला में वैसे ही पेड़-पौधे कम होते जा रहे हैं और पहले से ही हम दुखी हो रहे हैं और अधिकतर खेती किसान हम लोग हैं भेड़ बकरी चराने हम इधर ही जाते हैं। उसके अलावा कोई सहारा नहीं है।
3. जो खनन के आवेदन के बारे में बताया पहले से हमारे यहाँ ऑलरेडी 2-3 खदानें चल रही हैं। उसमें ना कोई स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है और स्थानीय जो सड़क थी। पंचायत के द्वारा या अन्य विभाग द्वारा बनाई गई। उनके वाहनो ने उसको भी तोड़ दी। उधर मंजीला में जाके देख लो आप पूरी रोड़ पूरी लोगों ने तोड़ दी। इनके वाहन पहले ही कन्टेनर जाते 15-20 कन्टेनर रोज जाते हैं। हेवी रोड़ है बिल्कुल नॉर्मल रोड़ थी उसको बिल्कुल तोड़ दी है।
4. 2-3 साल से माईन्स चल रही है स्थानीय लोगों को यहां रोजगार नहीं मिला है जो भी कुछ लोग बाहर के आ रहे हैं वो अपना कार्य कर रहे हैं। यहां का होता है कोई दिक्कत नहीं हमें स्थानीय लोगों को रोजगार मिले।
5. पहले से जो माईन्स लगी हुई है। उसको तुरन्त हटा दे सही तरीके से नहीं चल रही है। ग्रामीणों को आने-जाने की तकलीफें होती हैं। रोड़ बहुत टुट चुकी है उसका रखरखाव नहीं हो रहा है और अभी जो आप माईन्स के लिए बता रहे हैं। उसका हम नहीं चाहते हैं।
6. ग्रामवासियों के मना करने के बाद भी यह माईन्स शुरू होती है, तो उसका विरोध होगा तगड़ा हम आपके माध्यम से आगे पहुँचा रहे हैं।
7. ग्रामवासियों ने कहा कि जनसुनवाई की सूचना हमारे पास नहीं पहुँची हमारे सरपंच और हमारे ऊपर बहुत आरोप लगा रहे हैं।
8. ग्रामवासियों ने बताया कि खान की गहराई कितनी होगी, हर बार पंचायत से परमिशन लेनी होगी पेड़ पौधों के बारे में भी बताया कि जो खनन इकाईयां चल रही हैं उनके द्वारा पौधारोपण नहीं किया जा रहा है। आप खनन विभाग से जानकारी लेकर अवगत करावें कि कितना टन माल रोज एक कन्टेनर में जाएगा तो उससे रोड़ नहीं टूटे। वाहनों द्वारा ओवर लोडिंग की जाती है जिससे रोड़ की स्थिति बिगड़ रही है। वायु प्रदूषण हो रहा है। वहाँ धूल उड़ती है गाड़ी आने वाले को किसान हैं तो उदयपुर से बाईक पर जाते बाईक पर आते हैं। साथ में कन्टेनर आता हैं जिसे निकलने में आसानी नहीं रहती है। कई बार दुर्घटना भी हो रही है। कई बार गढ़वे में भी गिर गये।

श्री कुंज बिहारी पालवील, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर ने उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि आपके द्वारा दिये गये सुझावों एवं आक्षेपों को जनसुनवाई के कार्यवृत्त में शामिल किया जावेगा तथा कार्यवाही विवरण की वीडियो, रिकॉर्डिंग सी.डी के साथ उन्हें राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, जयपुर के समक्ष प्रेषित किया जावेगा। इसके बाद क्षेत्रीय अधिकारी महोदय ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर, सलूम्बर को इस जनसुनवाई को समाप्त करने हेतु निवेदन किया तत्पश्चात जनसुनवाई समाप्ति की घोषणा की गई।

(कुंज बिहारी पालवील)
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी,
रा.प्र.नि.म., उदयपुर
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

(डॉ. अतिरिक्त जिला कलेक्टर)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
जिला सलूम्बर

श्रीमती मोवनी झांगी, क्वार्टर, फैंल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन (एम एल नं. 03/2023, क्षेत्रफल-2.8717 हैक्टेयर) प्रस्तावित क्वार्टर, फैंल्डसपार एवं मेसेनरी स्टोन उत्पादन क्षमता 3,70,797 TPA, निकट ग्राम-वेलवाडी, तहसील-सराड़ा, जिला-सलूमर पर्यावरण संबंधी जनसुनवाई बाबत दिनांक 17.12.2025 को प्रातः 11.30 AM बजे, कार्यालय ग्राम पंचायत जावद, तहसील-सराड़ा, जिला-सलूमर में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारी एवं स्थानीय नागरिकगण:-

क्र.सं.	व्यक्ति का नाम	पता/विभाग का नाम	हस्ताक्षर
1			
2	कुम्भ खेहरी पालीवाल	रा.रा.प्र.नि.मं, उदयपुर	(Signature)
3			
4			
5			
6	वालु	जावद	वालु
7	पूजा लाल	जावद	पूजा लाल
8	मेकलाल दजी	जईशर	मेकलाल
9	शंकर लाल	जावद	शंकर लाल
10	सुरेश शर्मा	हाइवाइस	सुरेश
11	गोपी लाल	आठर	गोपी लाल
12	लोकेश कुमार शर्मा owner	मीनल बाजार जावद	लोकेश
	शिव सिंह राजपुत	जावद	शिव सिंह
	पुजालाल मिश्रा	वेलवाडी	पुजालाल
	हिममत सिंह	वेलवाडी	
	अनुर मिश्रा	वेलवाडी	अनुर मिश्रा
	लोकेश मिश्रा	वेलवाडी	लोकेश
	जेनरल मिश्रा	वेलवाडी	जेनरल
	गोपाल	जावद	गोपाल
	सोहनलाल मिश्रा	मोटिकाकर	सोहनलाल
	देवीलाल	जावद	देवीलाल

क्र.सं.	व्यक्ति का नाम	पता/विभाग का नाम	हस्ताक्षर
	बाबू लाल झा	जानक	Bul
	शुभ झा	जाबक	Sunf.
	इमरतुल्लाह	जानक	24
	इन्द्रेवारी (रिपवेव)	जानक	इ
	मोकर लाल	जाबक	मोकर लाल
	मथ्याण	जाबक	विपलगा
	मेमका मिह	जद्विलर	मेमका मिह
	पेवी सिंह	वैद्यवाही	
	गौतम मिह	जाबक	गौतम मिह
	देल पतुली	जाबक	देल पतुली
	लक्ष्मी महरा	द्वारा	लक्ष्मी महरा
	एकमोहर राधक	जाबक	म
	माडुल सिंह	जाबक	माडुल सिंह
	मीनार	ममरिह	म
	देवी लाल देव	द्वारा जाबक	दे
	विवेक त्यागी	Universal Consultant	Que
	अरविन्द	universal consultant	A1

The Sunday EXPRESS

JAIPUR,
NOVEMBER 16,
2025LATE CITY
12+4 PAGES
₹6.00

DAILY FROM: AHMEDABAD, CHANDIGARH, DELHI, JAIPUR, KOLKATA, LUCKNOW, MUMBAI, NAGPUR, PATNA, PUNE, VADODARA

EYE

The Man who Waited for the Win

From never getting the chance to play for India to guiding the women's team to their first World Cup triumph, it has been a long journey for Amol Muzumdar

SPOTLIGHT

Zeshan B's Campaign for Zohran Mamdani

Happening today

• **IAF'S SU-30MKI FIGHTER** jets will operate alongside French fighters in simulated air combat scenarios as part of 'Garuda 25' bilateral exercise at Mont-de-Marsan, France. The exercise, which aims to refine tactics and procedures, will continue until November 27.

• **JUST OVER A MONTH** after provocative gestures during the three matches between India and Pakistan's main teams in Dubai sparked a row, the 'A' teams of the two sides will clash in Doha at the Rising Stars Asia Cup.

• **THE RSS IS SCHEDULED** to carry out its centenary march in Chittapur town of Karnataka's Kalaburagi district. The route of the foot march was at the centre of a legal and political tug-of-war in the Congress-ruled state.

In blow to Lalu after poll rout, daughter Rohini quits politics, 'disowns' family



Rohini Acharya at Patna airport on Saturday. **R1**

Himanishu Harsh
Patna, November 15

A DAY after the BJP-led Mahagathabandhan suffered a crushing defeat at the hands of the ruling NDA in the Bihar Assembly polls, BJP president Lalu Prasad's daughter Rohini Acharya announced Saturday that she was 'quitting' politics and severing ties with her family.

In a cryptic post on X, Acharya said, "I am quitting politics and [disowning] my family... This is what Sanjay Yadav and Rameez had asked me to do, and I am taking all the blame."

The timing of her announcement was significant as the Bihar poll results saw the NDA storming back to power, with the BJP tallying up to 25 seats from 75 seats it had secured in the 2020 elections.

A doctor by training, Acharya, who largely stayed out of active politics until recent years, had chosen to become a homemaker and settled with her husband in Singapore. Acharya did not elaborate what Sanjay Yadav and Rameez had said to her. They were not available for comments.

A Riya Sabha MP, Sanjay Yadav has been a close aide of BJP leader and Lalu's younger son Tejashwi Yadav, who spearheaded the party's campaign in

CONTINUED ON PAGE 2



Bihar CM Nitish Kumar with Union Minister Chirag Paswan in Patna; PM Narendra Modi in Surat, Saturday. **MSP11**

JDU flags PM role in win, says Modi PM and Nitish CM is 'Bihar dream'

Personally feel Nitish should continue to head government, says ally Chirag

Deepthima Tiwary
New Delhi, November 15

A DAY after the NDA's landslide win in the Bihar Assembly elections, JDU national working president Sanjay Jha on Saturday told *The Indian Express* in an interview that "for Bihar, having Modi as the PM and Nitish Kumar as the CM is a dream combination" and "there is no confusion within the NDA" on the CM question. Union Minister Chirag Paswan, whose party JDU (BJP) won 19 of the 28 seats it contested as part of the NDA, too, said that he "personally feel Nitish should continue to head the government."

Jha said the "double-engine" government was one of the reasons for the party's victory. "For Bihar, having Modi as the PM and Nitish Kumar as the CM is a dream combination. People thought this was Bihar's moment. Both the 2024 and 2025 Union Budgets had sig-

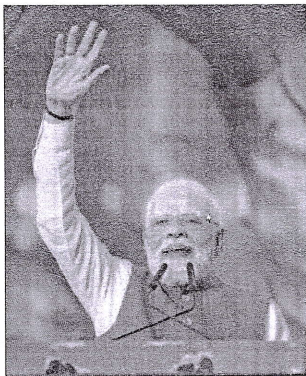
EXPRESS
interview



nificant allocations for Bihar. The PM was in Bihar almost every month in the past couple of years, launching or announcing some project. This played a role," he said.

Asked if Nitish would take oath as CM for a record 10th time, he said, "Things will be clear when the time comes. Internally, there is no confusion within the NDA."

CONTINUED ON PAGE 2



Kamal Sanyal, Surin, November 15

People of Bihar don't need politics lessons, they teach world: PM

Kamal Sanyal
Surin, November 15

CREDITING the people of Bihar for the massive mandate that returned the ruling NDA to power in the state, Prime Minister Narendra Modi said Saturday that they had rejected the "poison of casteism" and the "divisive" politics of the "Muslim League-Maoist Congress (MMC) and allied parties" and opted for "new heights in development."

Targeting Congress leader Rahul Gandhi and BJP's Tejashwi Yadav — he did not take names but referred to a "hannu" and a "janmanti beta" — Modi, who was addressing migrants from Bihar at the Suat International Airport, said, "Bihar ke logon ko rajhiti sanjhanti nahi padti hai, woh

VERDICT 2025 BIHAR
REPORTS, PAGES 4, 5

dhuni ko rajhiti sanjhane ki taakat rakhte hain. "One doesn't have to teach politics to the people of Bihar, they wield the power to teach politics to the world." "Go anywhere in the world, and you will find Bihar's talent. Bihar is now showing a willingness to reach new heights in development. This election reflected the willingness, Bihar's women and youth — Mahila and Yuva, M-Y — formed a combination that has

CONTINUED ON PAGE 2

EXPLOSIVES SEIZED FROM RED FORT TERROR MODULE

J&K police station blast was accident, says DGP; 9 killed



A damaged building inside the Nowgam police station premises on the outskirts of Srinagar. **R1**

No terror angle: Police; material stored in open, inspection was on

Bashaarat Masood
Srinagar, November 15

ON FRIDAY night, at the Nowgam police station on the outskirts of Srinagar, a forensic team was examining the explosives recovered from the Red Fort blast-linked Jalsha-Mohammad terror module busted last week. Accompanying them were officials of the State Investigation Agency (SIA), which had taken over the case a day earlier, revenue officials on managerial duty, and a tailor called in to stitch the bags where the seized material would be stored. Also present were a few senior police officers. As the sampling process dragged on longer than expected, the police officers stepped out for a stroll, while some of the officials went to the

CONTINUED ON PAGE 2

Among victims: Cops, revenue official, police photographers, a tailor



The victims' relatives at a tribute ceremony in Srinagar. **R1**

Bashaarat Masood & Naveed Iqbal
Srinagar, November 15

MOHAMMAD AMIN Mir last spoke to his younger brother on the phone Friday night. "I am busy," he said. "I will finish work soon and return home."

CONTINUED ON PAGE 2

10 years after Dadri man lynched over beef suspicion, UP govt moves to withdraw case

Manish Sahu
Lucknow, November 15

NEARLY A decade after 60-year-old Mohammad Akhlag was lynched by a mob over rumours of cow slaughter and storing its meat at his home in Dadri's Badaa village, the Uttar Pradesh government has decided to withdraw the case against the accused.

"We filed the withdrawal application, issued by the government in connection with Akhlag Ahmed's case, before the competent court on October

15. The court has not yet passed any order on the application and has fixed December 12 for hearing the matter," said Bhag Singh Bhati, Additional District Government Counsel (ADGC), Gautam Buddha Nagar.

"It is for the court to decide whether the case will be withdrawn or not. Until then, the trial will continue. So far, the testimony of the first prosecution witness — the complainant, and the deceased's daughter, Shaista — is underway. Her cross-examination is yet to be done," Bhati said. He



Mohammad Akhlag, 50, was lynched in 2015

also confirmed that all 15 accused facing trial in the case are currently out on bail.

Confirming the move, District Government Counsel

(DGC), Gautam Buddha Nagar, Brahm Jeet Singh, said that after receiving the government's letter regarding the withdrawal of Akhlag's case, he forwarded it to the ADGC concerned for filing the appropriate application before the court. Defence counsel B R Sharma also confirmed that withdrawal application has been moved by the government counsel in the court. On September 22, 2015, a mob gathered outside Akhlag's house after an announcement

CONTINUED ON PAGE 2

RED FORT CAR EXPLOSION

Clues that confirmed Umar drove i20 car: Charred limb, black shoe

Alok Singh
New Delhi, November 15

INVESTIGATORS RELIED on key forensic clues to establish that Umar Nahi was driving the car that exploded near Delhi's Red Fort on November 10, including a charred portion of a leg found near the accelerator and a black sports shoe lying beside the wreckage. *The Indian Express* has learnt.

The blast almost completely destroyed the car, sources said, leaving only the front portion of



the bonnet, a tyre and part of the gear lever intact. "Forensic teams recovered the lower portion of a leg from the driver's side and sent it to a hospital

mortuary for DNA analysis," sources said.

A DNA sample taken from Umar's mother matched the remains during testing conducted Wednesday at the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), they said.

Investigators also recovered a sports shoe near the vehicle which, sources said, matched the footwear Umar was seen wearing in CCTV footage recorded across several locations in Delhi as he travelled toward

CONTINUED ON PAGE 2

IN VACANCIES FOR SOME BATTALIONS OF THE TERRITORIAL ARMY INFANTRY HOME & HEARTH, SECTION STRENGTH EARMARKED FOR WOMEN

Another glass ceiling breaks: Women soldiers soon in Territorial Army

Amrita Nayak Dutta
New Delhi, November 15

IN A first-of-its-kind move, the Army is planning to induct women soldiers in its Territorial Army (TA) battalions, aimed at gradually opening up greater opportunities for women in the force.

The Indian Express has learnt that the Directorate General of Territorial Army has released additional vacancies for 2025-2026 for the Infantry Battalions TA Home & Hearth (H&H) last month.

According to the TA website, there are 11 TA H&H battalions, eight of which were raised

for Jammu and Kashmir and three for the North-East, in 2004-05.

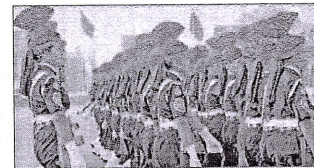
In some of these TA H&H battalions, section strength vacancies have been earmarked for the induction of women candidates, among the total vacancies. It is learnt, a section usually comprises 10 soldiers.

This means a TA H&H battalion, which has around 750 to 1,000 soldiers, will now have a section of women soldiers.

While this initiative initially entails inducting a section strength of women soldiers into some of the TA H&H battalions, plans are to expand it to all TA

H&H battalions and subsequently increase their numbers. The TA H&H battalions, comprising the local population, have been raised in the northern and eastern theatres for counter-insurgency and counter-terrorism operations. They assist the regular Army and civil administration in multiple tasks, such as intelligence gathering, road opening, and assistance in case of natural calamities, among others.

As of today, women are not allowed to join core combat arms of the Army such as Infantry, Armoured Corps and Mechanised Infantry. Some of the combat support arms, such as Corps of Engineers, the Reg-



A contingent of women Agniveers from the Corps of Military Police marching during the Army Day parade in January this year. **EXPRESS**

ment of Artillery and Corps of Signals and all services, have women officers. Only the Corps of Military Police inducts

women as soldiers. The latest decision to induct women soldiers into infantry battalions TA (H&H) will allow

them to break yet another glass ceiling. The TA is a citizen's army of volunteers who willingly enrol

In this arm to contribute to the nation's defence. The TA provides the volunteers an ideal opportunity to receive military training in their spare time and to serve the nation in times of national emergency and internal disturbances.

In May this year, during Operation Sindoor, the Ministry of Defence had announced activating 14 of 32 Infantry battalions of the Territorial Army for deployment across the country until February 2028.

Presently, the TA has a strength of approximately 50,000 personnel comprising 65 Departmental TA units, such as Railway, IOC, ONGC and Non-Departmental TA units of

Infantry Battalion (TA), including Home & Hearth Battalions, Ecological Battalion (TA) affiliated to various Infantry Regiments and Engineer Regiment (TA) for maintenance of Line of Control Fencing.

A Composite Eco Task Force for the National Mission for Clean Ganga has also been raised. The Eco Task Force is dedicated to the development, preservation and maintenance of ecological balance and afforestation in difficult areas.

Many celebrities, too, have either served or have been granted honorary ranks in the TA, among them Nana Patekar, Mohanlal, Kapil Dev, MS Dhoni, and Abhinav Bindra.

EXPLAINED

Why this matters

Women are not allowed to join core combat arms such as Infantry, Armoured Corps and Mechanised Infantry. Some combat support arms have women officers. Only the Corps of Military Police inducts women as soldiers.

The TA is a citizen's army of volunteers who willingly enrol

Jaipur

